आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–08 नवम्बर 2024 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- उगते सूर्य को अर्ध्य देकर सम्पन्न हुआ छठ महापर्व। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में छठ महोत्सव में हुए शामिल।
- छठ पूजा पर यात्रियों की सुविधा के लिये जारी है विशेष ट्रेनों का संचालन। गोरखपुर सहित राज्य के कई स्टेशनों से आज से ग्यारह नवम्बर तक चलाई जायेंगी विशेष रेलगाड़ियां।
- केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में पराली जलाने के कड़े किये नियम। अब पराली जलाने वाले किसानों को देना पड़ेगा दोगुना जुर्माना।
- राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में पीसीएस–जे भर्ती में बदली आरक्षण व्यवस्था। अब महिलाओं को सभी वर्गों में बीस–बीस प्रतिशत कम्पार्टमेंटल आरक्षण का मिलेगा लाभ।

****

सूर्योपासना का महापर्व छठ आज उगते हुए भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ ही सम्पन्न हो गया। व्रती श्रद्धालुओं ने अर्घ्य देने के बाद लोगों में प्रसाद वितरित किए और अपना व्रत पूर्ण किया। इससे पहले कल शाम व्रती श्रद्धालुओं ने अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया था। छठ पर्व को लेकर पूरे प्रदेश में विशेष रूप से पूर्वी उत्तर प्रदेश में लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला। आज तड़के भारी संख्या में श्रद्धालु, नदियों, सरोवरो और छठ पर्व के लिए बनाए गये अस्थायी पोखरो के किनारे उगते हुए भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए पहुंच गये और जैसे ही सूर्योदय की लालिमा बिखरी लोगों ने जल अर्पित कर अपनी छठ पूजा को सम्पूर्णता दी। एक रिपोर्ट हमारे संवाददाता की–

हाथों में प्रसाद के टोकरी और अर्घ्य लिए हुए पारंपरिक परिधानों में सजे श्रद्धालुओं ने ठंडे पानी में खड़े होकर उगते सूर्य की आराधना की । इस दौरान पारंपरिक भोजपुरी और मैथिली छठ गीतों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

कल शाम की तरह आज सुबह भी हजारों छठ व्रती प्रदेश भर की नदियों और तालाबों के किनारे इकट्ठा हुए और उगते सूर्य की आराधना की। खास तौर पर पूर्वांचल के इलाकों में यह त्यौहार भव्य तरीके से मनाया गया आज सुबह भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही 4 दिनों तक चलने वाले इस महाव्रत का समापन हुआ।सुशील चन्द्र तिवारी आकाशवाणी समाचार लखनऊ।

****

उधर, छठ पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल लखनऊ के लक्ष्मण मेला पार्क में अखिल भारतीय भोजपुरी समाज द्वारा आयोजित छठ महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री योगी ने कहा कि पर्व और त्योहार का भाव समरस समाज की स्थापना के लिये प्रेरित करता है।

.पर्व और त्यौहार के पीछे का भाव है कि हम सब मिलकर के भेदभाव को समाप्त करके एक समरस समाज की स्थापना कर सके, अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति कर सके। विरासत से भटका हुआ व्यक्ति एक तृषंग होता है जिसके जीवन का कोई उद्देश्य नहीं होता और निरुद्देश्य कोई व्यक्ति जब कार्य करता है तो उसमें कभी भी उसको ना आत्मिक संतुष्टि हो सकती है और ना समाज ही उससे संतुष्ट हो पाएगा। इसलिए विरासत को विकास के साथ जोड़कर के प्रधानमंत्री मोदी जी ने देश के अंदर जो कार्यक्रम प्रारंभ किए, आज एक नए भारत का दर्शन हम कर रहे हैं और पर्व और त्योहारों के पीछे भी यही भाव होता है। हम सब मिलकर के इन आयोजनों में सहभागी बने। न जाति का बंधन हो, न क्षेत्र का हो, न भाषा का हो, किसी भी प्रकार के बंधन से मुक्त हो करके एक समरस समाज की स्थापना के लिए हम सब मिलकर के कार्य कर सके।

****

भारतीय रेलवे छठ पूजा के मद्देनज़र आज से ग्यारह नवम्बर तक प्रतिदिन एक सौ पैंसठ विशेष रेलगाड़ियां चलाएगा। इनमें अधिकांश रेलगाड़ियां पूर्वोत्तर रेलवे के रूट से चलेंगी, जबकि चौंतीस गाड़ियां उत्तर मध्य रेलवे मंडल से गुजरेंगी। इस क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे उत्तर प्रदेश से कई विशेष गाड़ियों का संचालन कर रहा है। विज्ञप्ति के अनुसार गोरखपुर से अहमदाबाद, बांद्रा टर्मिनस, सियालदह, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, पुणे, नारंगी, चंडीगढ़, जोधपुर के लिये चलाई जायेंगी। वहीं गाजीपुर सिटी से उधना के लिये विशेष गाड़ी का संचालन किया जायेगा और आनन्द विहार टर्मिनल से मऊ के लिये विशेष ट्रेन चलाई जायेगी। रेलवे स्टेशनों पर छठ महापर्व के बाद यात्रियों की वापसी के लिये रेलवे ने तैयारियां पूर कर ली है। गोरखपुर जंक्शन पर यात्रियों की सुविधा के लिये सभी प्रमुख गेटों पर अस्थाई टेंट भी लगाये गये हैं।

****

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि सरकारी नौकरियों में भर्ती के निर्धारित नियमों में किसी प्रकार का फेर–बदल नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने व्यवस्था दी है कि चयन में नियम मनमाने नहीं होने चाहिए और संविधान के अनुच्छेद 14 के अनुरूप होने चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने सर्वसम्मति से कहा कि सरकारी भर्तियों की प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा भेदभाव रहित नीति अपनाई जानी चाहिए ताकि उम्मीदवारों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

****

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पराली जलाने पर जुर्माना दोगुना कर दिया है। सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में पराली जलाने से संबंधित नये संशोधित नियम अधिसूचित किये हैं। नये नियमों के तहत दो एकड़ से कम जमीन वाले किसानों को अब पांच हजार रुपये जुर्माना देना होगा जो पहले ढाई हजार रुपये था। दो से पांच एकड़ जमीन वाले किसानों को दस हजार रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति देना होगा। जिन किसानों के पास पांच एकड़ से अधिक जमीन है, उन्हें तीस हजार रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति देनी होगी।

****

राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में पीसीएस–जे भर्ती में आरक्षण व्यवस्था बदल दी है। नई व्यवस्था के तहत भर्तियों में अब कम्पार्टमेंटल आरक्षण का लाभ महिला अभ्यर्थियों को सभी वर्गो में बीस–बीस प्रतिशत कोटे के अनुसार दिया जायेगा। नियुक्ति और कार्मिक विभाग ने इस सिलसिले में उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग को अवगत करा दिया है। राज्य में अनारक्षित वर्ग 40 प्रतिशत, ईडब्ल्यूएस दस, अनुसूचित जाति 21 अन्य पिछड़ा वर्ग 27 और अनुसूचित जनजाति के लिये 2 प्रतिशत आरक्षण कोटा निर्धारित है। अभी तक पीसीएस जे भर्ती में सभी वर्गो में आरक्षण कोटे को मिलाकर क्षैतिज में आरक्षण में महिलाओं को कुल 20 फीसदी आरक्षण का लाभ दिया जाता था।

****

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से कल लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आकांक्षा हाट का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। आकांक्षा समिति की अध्यक्ष डॉक्टर रश्मि सिंह ने बताया कि इस आयोजन का लक्ष्य राज्य की महिला उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किये गये उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिये मंच प्रदान करना है।

आकांक्षा समिति द्वारा एक बहुत अद्भुत आयोजन किया जा रहा है। आकांक्षा हार्ट का जो कि महिलाओं को समर्पित है। जिसमें आकांक्षा मंथन सत्र पैनल डिस्कॅशन जिसमें कि हम आर्थिक सशक्तिकरण के लिए और क्या करें तो इसपे एक्सपर्ट्स के साथ कई बिंदु पर चर्चा होगी। कुछ नए परियोजनाओं का शुभारंभ होगा और ये सांस्कृतिक और आर्थिक रूप में महिलाओं के सशक्तिकरण के बहुत तरह के जो आयाम हैं और उसमें आकांक्षा सम्मान भी उसमें दिया जायेगा तो ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग आये और प्रोत्साहन करे।

****

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास–एनबीटी कल से सत्रह नवंबर तक लखनऊ के गोमती रिवरफ्रंट पार्क में गोमती बुक फ़ेस्टिवल का आयोजन करने जा रहा है। इसका शुभारम्भ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। एनबीटी के निदेशक युवराज मलिक ने बताया कि इस मेले में पाठकों को नई–नई पुस्तकें खरीदने का मौका मिलेगा। इसके अलावा चिल्ड्रन फिल्म फेस्टिवल का आयोजन भी किया जायेगा।

इस पुस्तक महोत्सव की जो विशेष बात यह है कि केवल यह किताबों तक ही सीमित नहीं है। किताबों के चारों ओर जुड़ी हुई गतिविधियों चाहे बच्चों के लिए स्टोरी टेलिंग हो या क्रिएटिव वर्कशॉप हो या सीखने के लिए अलग अलग बाकी दूसरे माध्यमों, अलग अलग तरीकों से बच्चों के लिए बड़ों के लिए लेखकों के साथ रूबरू होने का मौका, नई नई किताबों का अनावरण और उनके साथ किताबों पर चर्चा आपको यहाँ देखने को मिलेंगे। विशेष रूप से पहली बार लखनऊ में एक चिल्ड्रन फिल्म फ़ेस्टिवल भी आयोजित किया जा रहा है, जिसमें आपको न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय बाल जो फिल्म्स है वो भी देखने को मिलेंगे।

****

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये अयोध्या में आने वाले भक्तों को भगवान श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास की संघर्ष गाथा थ्री डी वीडियो क्लिप के जरिये दिखायी जा रही है। नौ मिनट की इस संघर्ष गाथा को दिखाने के लिये हनुमानगढ़ी के पास राजद्वार पार्क में दुर्लभ दर्शन केन्द्र की स्थापना की गयी है। इसकी जानकारी देते हुए वहां के मण्डलायुक्त ने बताया है कि रामलला के दर्शन के लिये अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़ी गाथाओं से जोड़ने का प्रयास शुरू किया गया है।

****